बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 23 ● अंक: 219 ● नई दिल्ली ● सोमवार 01 सितम्बर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

कालकाजी मंदिर में सेवादार की पीट-पीटकर हत्या का मामला, भाई बोला- पत्नी को लगता है वो अभी जिंदा है

नई दिल्ली। दिल्ली के दक्षिण-पूर्वी इलाके स्थित कालकाजी मंदिर में शुक्रवार (29 अगस्त) रात एक 35 वर्षीय सेवादार की बेरहमी से हत्या कर दी गई. मृतक योगेंद्र सिंह उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले के फतेपुर गांव के रहने वाले थे और 15 सालों से मंदिर में सेवा दे रहे थे. पुलिस के मुताबिक घटना प्रसाद वितरण को लेकर विवाद से शुरू हुई, जो देखते ही देखते हिंसक झगड़े में बदल गई. इस मामले में अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है और सीसीटीवी फुटेज ने पूरे हत्याकांड को उजागर कर दिया है. पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे पीसीआर कॉल के जरिए झगड़े की सूचना मिली. जांच में पता चला कि आरोपियों ने पहले भी प्रसाद वितरण को लेकर मंदिर के कर्मचारियों से विवाद किया था.

दिल्ली में 2 नए बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की तैयारी, सिरसा ने डीपीसीसी को दिए ये निर्देश

नई दिल्ली।

दिल्ली में बढ़ते बायोमेडिकल कचरे के निपटारे के लिए सरकार अब नए कदम उठाने जा रही है. पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति को तुरंत प्रभाव से दो आधुनिक बायोमेडिकल वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट लगाने की संभावनाओं का अध्ययन शुरू करने का निर्देश दिया है. बैठक के दौरान मंत्री ने यह भी कहा कि नॉन-बेडेड क्लीनिकों के लिए वेस्ट मैनेजमेंट शुल्क में तर्कसंगत बदलाव किए जाएं. उनका कहना था कि ऐसे क्लीनिक बहुत कम मात्रा में कचरा पैदा करते हैं, लेकिन उनसे वही शुल्क वसूला जा रहा है जो सात बेड तक वाले नर्सिंग होम से लिया जाता है. मंत्री ने कहा कि इस मुद्दे को लेकर वह स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह से भी चर्चा करेंगे. सिरसा ने कहा कि राजधानी में फिलहाल केवल दो आधे-एकड़ के प्लांट हैं, जिन पर रोजाना करीब 40 मीट्रिक टन कचरा निपटाने का दबाव है. उन्होंने कहा कि यदि बायोमेडिकल वेस्ट का सही समय पर निस्तारण न किया गया तो यह सार्वजनिक स्वास्थ्य और वायु

गुणवत्ता, दोनों के लिए बड़ा खतरा बन सकता है. मंत्री ने यह भी जोड़ा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित दिल्ली' विजन के तहत इस समस्या का समाधान जल्द किया जाएगा. समीक्षाओं में यह भी सामने आया कि लगभग 3 करोड़ की आबादी वाली दिल्ली में सिर्फ दो BMW प्लांट हैं, जबकि लगभग इतनी ही आबादी वाले हरियाणा में 11 प्लांट संचालित हो रहे हैं. सिरसा ने स्वीकार किया कि क्षमता में यह कमी गंभीर है, लेकिन आश्वासन दिया कि जल्द ही नए प्लांट शुरू किए जाएंगे, जिनमें पर्यावरण-अनुकूल और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल होगा.

छोटे क्लीनिकों को बड़े संस्थानों का बोझ नहीं उठाना चाहिए- मंत्री

मंत्री ने कहा कि छोटे क्लीनिकों को बड़े संस्थानों का बोझ नहीं उठाना चाहिए. उन्होंने साफ किया कि सेवा शुल्क में सुधार कर छोटे संस्थानों के लिए न्यायसंगत व्यवस्था लागू की जाएगी. उन्होंने कहा कि जो क्लीनिक बेहद कम कचरा उत्पन्न करते हैं, उनसे भारी शुल्क लेना उचित नहीं है. इसे जल्द सुधारा जाएगा. DPCC को आदेश दिया गया है कि नए प्लांट के लिए भूमि, परिवहन व्यवस्था, तकनीकी विकल्प और पर्यावरणीय मानकों पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करे. साथ ही स्वास्थ्य विभाग और DPCC को रोजाना कचरे की मात्रा, परिवहन और प्लांट उपयोग से जुड़ी स्थिति पर नियमित अपडेट देने को कहा गया है.

अस्पताल बनेंगे रोल मॉडल

मंत्री ने कहा कि आंकड़ों पर आधारित निगरानी से न केवल जवाबदेही तय होगी बल्कि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सुधार भी किए जा सकेंगे. सरकार अब केवल इंफ्रास्ट्रक्चर तक सीमित नहीं रहना चाहती. सिरसा ने बताया कि अस्पतालों और क्लीनिकों में अनुपालन और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए नियमित वर्कशॉप और प्रशिक्षण सत्र आयोजित होंगे. हाल ही में 20 अस्पतालों को उत्कृष्ट बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन के लिए सम्मानित किया गया है, जिन्हें अब अन्य संस्थानों के लिए उदाहरण के तौर पर प्रस्तुत किया जाएगा.

स्वच्छ और स्वस्थ दिल्ली लक्ष्य

मंत्री ने कहा कि हमारा मकसद है कि दिल्ली का हर स्वास्थ्य संस्थान पर्यावरण सुरक्षा की जिम्मेदारी निभाए. आधुनिक ढांचा, उचित शुल्क और निरंतर प्रशिक्षण के साथ राजधानी को स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य की ओर ले जाना हमारी प्राथमिकता है.

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मनाया ओणम, बोलीं- हर घर में शांति, समृद्धि और सुख लाए यह पर्व

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर ओणम पर्व मनाया। इस बीच सीएम ने ओणम मनाते हुए महिलाओं के एक समूह के साथ नृत्य भी किया। ओणम दस दिनों का एक भव्य उत्सव है जो राजा महाबली की पौराणिक वापसी और केरल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का उत्सव कहा जाता है। इस वर्ष यह पर्व मंगलवार 26 अगस्त से शुक्रवार 5 सितंबर तक मनाया जाएगा। उन्होंने इस संबंध में अपने इंटरनेट मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म पर लिखा, ओणम सौहार्द, समृद्धि और कृतज्ञता का शाश्वत पर्व है। एक ऐसा अवसर जो हृदय को आनंद और एकता के बंधन में जोड़ता है। आज मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में ओणम उत्सव की उल्लासपूर्ण झलक देखने को मिली। सभी को ओणम की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह पर्व हर घर में शांति, समृद्धि और सुख लेकर आए। इस दौरान सीएम रेखा गुप्ता ने केरल की सांस्कृतिक वेष-भूषा में आए कलाकारों का स्वागत करते हुए उनके साथ खुशियां बांटीं। साथ ही, मुख्यमंत्री के साथ पर्व मनाते हुए कलाकारों ने भी खुशी जाहिर की। इस दौरान पर्व की प्रमुखता के अनुसार, फूलों से सजे पुष्पकम बनाए गए थे। केरल की पारंपरिक वेशभूषा में बच्चों के साथ नृत्य प्रदर्शन का आनंद लिया। अपने संबोधन में, रेखा गुप्ता ने कहा, ओणम एकता और समृद्धि का प्रतीक है। दिल्ली में सभी संस्कृतियों का सम्मान हमारी ताकत है। उन्होंने दिल्लीवासियों को ओणम की शुभकामनाएं दीं और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया।

मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर महापंचायत, 350 रुपये टोल टैक्स के विरोध में जुटीं दर्जनों ग्राम पंचायतें

नई दिल्ली। दिल्ली के मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा पर 350 रुपए टोल टैक्स से ग्रामीण परेशान हैं। बीते कई दिनों से इस टैक्स के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन जारी है। कई ग्राम पंचायतों ने इस टोल टैक्स के विरोध में धरना देने की चेतावनी दी थी। इसी क्रम में रविवार को सुबह से ही टोल प्लाजा पर लोगों की भीड़ जुटने लगी। दरअसल, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों शुक्र-2 का उद्घाटन होने के बाद से ही ग्रामीण लगातार समाधान की मांग कर रहे हैं। मुंडका-बक्करवाला टोल प्लाजा रविवार को महापंचायत की जा रही है। इस बीच टोल प्लाजा पर दो दर्जन से अधिक गांव के ग्रामीण एकत्र हुए। इस बीच किसी भी प्रकार की अनहोनी को रोकने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। वहीं, पुलिस ने जब महापंचायत को रोकने का प्रयास किया तो ग्रामीणों ने एक सुर में इसका विरोध किया। विरोध बढ़ता देख, पुलिस को पीछे हटना पड़ा। फिलहाल, शांतिपूर्वक टोल प्लाजा पर महापंचायत की जा रही है। मुंडका-बक्करवाला टोल फ्री संघर्ष समिति के बैनर तले आज सुबह से यूइआर 2 स्थित टोल प्लाजा पर महापंचायत जारी है। पंचायत में बाहरी दिल्ली समेत दिल्ली देहात से काफी संख्या में ग्रामीण शामिल हैं। हर गांव से आए प्रतिनिधि अपनी बातें रख रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है उन्हें यह टोल किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। हम ग्रामीणों की जमीन से गुजर रही यूईआर 2 से निकलने के लिए हम ग्रामीणों से ही टोल वसूला जा रहा है। यह हमारे साथ अन्याय है। यह टोल प्लाजा नहीं, यह लूट प्लाजा है। हम ग्रामीणों का टोल फ्री कराने तक संघर्ष जारी रहेगा। ग्रामीणों ने कहा कि टोल के आसपास गांव में हम सभी लोगों का रोजाना सगे संबंधियों के यहां आना जाना लगा रहता है। क्या एक गांव से दूसरे गांव जाने केलिए भी हमसे टोल लेंगे। यह हम ग्रामीण इस व्यवस्था को खत्म करके ही मानेंगे। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि हम किसान अलग अलग गांव में खेती करने जाते हैं। जिसमें ट्रैक्टर भी लेकर जाना होता है। लेकिन इस रोड से ट्रैक्टर के निकलने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया हुआ है। हम मांग करते हैं कि इस रोड के दिनों तरफ से सर्विस रोड का निर्माण हो, ताकि हम खेतों तक ट्रैक्टर लेकर जा सकें। वहीं, फसल तैयार होने पर हम ट्रैक्टर से फसल मंडी तक लेकर जा सकें। संघर्ष समिति की ओर से कहा गया है कि चार दिन के अंदर वह परिवहन मंत्री नितिन गड़करी से मिलेंगे। अगर उनकी मांगे मान ली जाती है तो, वह अपना विरोध खत्म कर देंगे। नहीं तो टोल के पास ही टेंट लगाकर अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जायेंगे। इस दौरान काफी संख्या में पुलिस बल भी तैनात रही। वही ग्रामीणों के वाहनों को उठाने पहुंची, पुलिस टीम के खिलाफ ग्रामीणों में विरोध जताया। विरोध बढ़ता देख यातायात पुलिस की टीम यहां से रवाना हो गई।

बाढ़-बारिश से बड़ा नुकसान, हर पीड़ित का दर्द हम सबका दर्द - पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 125वें संस्करण में देशवासियों से बात की। इस बार उन्होंने मानसून के दौरान आई भारी बाढ़ और भूस्खलन से हुई तबाही का जिक्र किया और कहा कि यह प्राकृतिक आपदाएं पूरे देश की परीक्षा ले रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि घर जल गए, खेत डूब गए और पुल सड़कों को बहा ले गया। ऐसे समय में हर पीड़ित परिवार का दर्द हम सबका दर्द है।

बाढ़-बारिश से देश को भारी नुकसान

पीएम मोदी ने बताया कि इस मानसून में देश के कई हिस्सों में बाढ़ और भूस्खलन से बहुत नुकसान हुआ है।

कई परिवारों के घर तबाह हो गए हैं और खेती को बड़ा नुकसान पहुंचा है। नदियों का पानी बढ़ने से पुल और सड़कें टूट गई हैं, जिससे लोगों की जान खतरे में आ गई है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर दुख जताया कि यह आपदा हर भारतीय के दिल को छूती है और देश के लिए बहुत बड़ी चुनौती है।

जम्मू-कश्मीर में खुशियों की झलक

बाढ़-बारिश की इस विपत्ति के बीच पीएम मोदी ने जम्मू-कश्मीर से दो अच्छी खबरें भी साझा कीं। उन्होंने बताया कि पुलवामा के एक स्टेडियम में देश का पहला डे-नाइट क्रिकेट मैच खेला गया। यह अब तक एक नामुमकिन सपना था, लेकिन देश बदल रहा है और खेलों में नए-नए आयाम जुड़ रहे हैं।

डल झील में खेलों का उत्सव

प्रधानमंत्री ने यह भी बताया कि श्रीनगर की डल झील में खेलो इंडिया वाटर स्पोर्ट्स फेस्टिवल का आयोजन हुआ, जिसमें देश के 800 से यादा एथलीट शामिल हुए। खास बात यह है कि महिला खिलाड़ी भी इस प्रतियोगिता में पुरुष खिलाड़ियों के लगभग बराबर हिस्सा ले रही थीं। उन्होंने मध्य प्रदेश, हरियाणा और ओडिशा को उनके पदकों के लिए बधाई दी।

दिल्ली में बीजेपी का गालीकांड पर हल्लाबोल, पुलिस ने किया वाटर कैनन का इस्तेमाल

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के परिवार पर की गई अमर्यादित टिप्पणी के खिलाफ दिल्ली बीजेपी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस मुख्यालय से कुछ दूरी पर बड़ा विरोध प्रदर्शन किया. साथ ही कांग्रेस दफ्तर तक विरोध मार्च निकाला. हालांकि, दिल्ली पुलिस ने विरोध मार्च को कांग्रेस दफ्तर पर पहुंचने से पहले ही खत्म करा दिया. दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में पुलिस बैरिकेड्स तोड़ कर कांग्रेस मुख्यालय के पास पार्टी कार्यकर्ता पहुंच गए थे, जिसके बाद पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल करके भीड़ तितर-बितर किया. प्रदर्शन से वीरेंद्र सचदेवा, बीजेपी सांसद योगेंद्र चांदोलिया और कैलाश गहलोत समेत तमाम बीजेपी कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया और आई.पी. एस्टेट थाने ले गई. प्रदर्शन खत्म कराने के लिए पुलिस की ओर से किए गए वाटर कैनन चार्ज में बीजेपी के शाहदरा जिला अध्यक्ष दीपक गाबा भी चोटिल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया. विरोध मार्च निकलने से पहले सचदेवा ने मंच से कहा कि आजादी के बाद पहली बार देश के प्रधानमंत्री पद पर एक गरीब का बेटा, एक वंचित वर्ग का बेटा, पिछले 11 सालों से बिना थके, बिना डरे, दिन-रात देश के लिए काम कर रहा है, जो कांग्रेसियों को बर्दाश्त नहीं हो रहा है. सचदेवा ने मंच से कहा कि जिस परिवार में चांदी के चम्मच के साथ राहुल गांधी पैदा हुए, जो परिवार देश के पैसों से हवाई जहाज में जन्मदिन मनाता था, उसे कैसे बर्दाश्त होगा कि एक गरीब मां का बेटा दुनियां में भारत का डंका बजा रहा है. बीजेपी के राष्ट्रीय मंत्रसचिव तरुण चुघ भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए और उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने शिशुपाल का रोल अदा किया है और आज कांग्रेस पार्टी मानसिक कुंठा में है. राहुल गांधी के नेतृत्व में 18 चुनाव हार चुकी कांग्रेस अब एक और हार की तैयारी कर चुकी है.

बीजेपी ने कांग्रेस की भाषा पर निशाना साधा

बीजेपी के राष्ट्रीय मंत्रसचिव दुष्यंत गौतम ने कहा कि जिस प्रधानमंत्री ने देश के कई ऐतिहासिक काम किए और विश्व में उनके नाम का लगातार गुणगान होना, कांग्रेस को बर्दाश्त नहीं हो रहा है. बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन में राहुल गांधी के 4 पुतलों को भी लेकर आए थे. प्रदर्शन में आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, बीजेपी सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि कांग्रेस और विपक्ष ना तो भाषा की मर्यादा सदन में रखते हैं और ना ही सदन के बाहर. ना व्यवहार की मर्यादा सदन में रखते हैं और ना ही सदन के बाहर. ऐसा लगता है कि जैसे भाषा की अभद्रता कांग्रेस पार्टी की शैली बन गई है.

बांसुरी स्वराज ने और क्या कहा?

बांसुरी स्वराज ने कहा कि जिस प्रकार की ओछी राजनीति कांग्रेस के नेता और भाषा का प्रयोग करते हैं, इन्हीं नेताओं से इनके कार्यकर्ता भी सीखते हैं और यह अभद्रता उसी का परिणाम है. दिल्ली बीजेपी के प्रदेश महामंत्री और सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि बिहार चुनाव में हार की बौखलाहट का अंदाजा पहले से ही कांग्रेसियों और आरजेडी को हो चुका है, इसलिए उनकी बौखलाहट उनकी भाषा में साफ झलक रही है.

परिवारवाद पर साधा निशाना

योगेंद्र चंदोलिया ने कहा कि राहुल गांधी और सोनिया गांधी परिवारवाद को आगे बढ़ा रहे हैं, और प्रधानमंत्री मोदी परिवारवाद, जातिवाद और भ्रष्टाचारियों के खिलाफ हैं, इसलिए सभी कांग्रेसियों को दिक्कत हो रही है. बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने मंच से राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ हाय हाय के नारे लगाए और कहा कि दिल्ली में आज हम सब सड़क पर हैं, लेकिन यह आवाज पूरे देश में पहुंच रही है कि किस प्रकार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माता जी को गाली देने वालों के खिलाफ जनता सड़क पर है.

कमलजीत सहरावत ने भी बोला हमला

बीजेपी सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि आज हम सब यहां इकट्ठा हुए हैं. यह राजनीति से प्रेरित नहीं, बल्कि जनभावनाओं से प्रेरित है, और जिस प्रकार से राहुल गांधी के मंच से प्रधानमंत्री मोदी की माताजी को अपशब्द बोलकर महिला अपमान करने का काम किया गया है, वह अक्षम्य है. बीजेपी सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की माताजी को गाली देने वाले भूल गए कि वह भी किसी के बेटे हैं और उन्होंने पूरे मातृशक्ति को गाली दी है. कांग्रेस में कभी भी कोई संस्कृति नाम की चीज नहीं रही है और उन्हें पता है कि बिहार चुनाव जीतने वाले नहीं हैं, इसलिए उन्होंने गाली का सहारा ले लिया.

भाजपा नेताओं की 'ज्ञान गंगा'

अनिल जैन

केंद्र सरकार वस्तु व सेवा कर यानी जीएसटी का ढांचा बदलने जा रही है। खबर है कि 12 और 28 फीसदी का टैक्स स्लैब खत्म कर दिया जाएगा। इसके साथ ही 12 फीसदी के टैक्स स्लैब की कई वस्तुओं को पांच फीसदी के स्लैब में ला दिया जाएगा। इससे आम लोगों को बहुत लाभ होगा क्योंकि रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों में अच्छी खासी कमी आएगी। जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर प्रीमियम 18 से घटा कर पांच फीसदी करने या शून्य कर देने की संभावना जताई जा रही है। पिछले दिनों मंत्री समूह की बैठक हुई, जिसमें 12 और 28 फीसदी का स्लैब हटाने की सिफारिश जीएसटी काउंसिल को भेजी है। तीन और चार सितंबर को जीएसटी काउंसिल की बैठक में इस पर मुहर लग सकती है। हालांकि कई राज्यों ने इस पर आपत्ति की है और अपना राजस्व घटने की चिंता जताई है। बहरहाल, यह जब होगा तब होगा लेकिन उससे पहले बाजार में मंदी आ गई है। उपभोक्ताओं ने खरीद बंद कर दी है। त्योहार शुरू हो गए है लेकिन ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह की खरीदारी में कमी आई है। उत्तर-पश्चिमी भारत में गणेशोत्सव और दक्षिण भारत में ओणम शुरू हो गया है। दोनों त्योहार सितंबर के पहले हफ्ते तक चलेंगे। इस दौरान खूब खरीदारी होती है, लेकिन इस बार बिक्री कम हुई है। क्योंकि मीडिया मे खबर आ गई कि कौन-कौन सी चीजें कितनी सस्ती होने वाली है। इसलिए लोगों ने खरीद रोक दी है और कंपनियां परेशान हैं। जो दुष्प्रचार अभी तक व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी के माध्यम से होता था या जिन बातों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित तमाम भाजपा नेता अपने भाषणों दोहराते थे, वह दुष्प्रचार अब स्कूलों के पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है। एनसीईआरटी के नए शिक्षा मॉड्यूल के मुताबिक मोहम्मद अली जिन्ना, अंग्रेज सरकार और कांग्रेस पार्टी, तीनों ही भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार थे। पहली बार ऐसा हो रहा है कि छात्रों को यह पढ़ाया जाएगा कि जिन्ना और अंग्रेजों के साथ-साथ कांग्रेस भी उस भयावह मानवीय त्रासदी के लिए जिम्मेदार है, जिसमें करीब छह लाख लोग मारे गए थे और डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोग विस्थापित हुए थे। एनसीईआरटी की ओर से तैयार किए गए शिक्षा मॉड्यूल में सवाल है कि भारत के विभाजन के गुनहगार कौन लोग है? इसके जवाब में कहा गया है कि पहला, मोहम्मद अली जिन्ना, जिन्होंने इसकी मांग की। दूसरा, कांग्रेस पार्टी, जिसने इस मांग को स्वीकार किया और तीसरा अंग्रेज सरकार, जिसने इसको मंजूरी दी। इसमें नेहरू के जुलाई 1947 के भाषण का भी जिक्र है, जिसमें उन्होंने कहा है कि देश ऐसी स्थिति में था, जहां या तो विभाजन स्वीकार करना था या चल रहा संघर्ष जारी रहने देना था। उन्होंने इस भाषण में कहा था कि विभाजन बुरा है लेकिन एकता की जो भी कीमत है उसके मुकाबले देश में चल रहे गृह युद्ध की कीमत बहुत बड़ी होगी। इसलिए विभाजन स्वीकार किया गया। इस तरह भारत सरकार ने कांग्रेस विरोधी एक बड़े नैरेटिव को पाठ्यक्रम का हिस्सा बना दिया है। यह नया भारत है। इसमें जो व्यक्ति आरोप लगाता है उसे सबूत भी खोज कर देना होता है। इस नए भारत में पुलिस और जांच एजेंसियां सबूत नहीं खोजती हैं। जैसे राहुल गांधी ने आरोप लगाए कि कर्नाटक की बेंगलुरू सेंट्रल लोकसभा सीट के तहत महादेवपुरा विधानसभा सीट पर एक लाख वोट की गड़बड़ी हुई। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन देकर बताया कि कितने तरह की गड़बड़ी हुई है। जैसे ही उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस समाप्त हुई चुनाव आयोग की ओर से कहा गया कि वे अपने हलफनामे के साथ सबूत सहित अपने आरोप आयोग को भेजें। अब ताजा मामला केरल के कम्युनिस्ट सांसद जॉन ब्रिटास का है। ऑपरेशन सिंदूर के सीजफायर के बाद जब विदेश सचिव विक्रम मिस्री पर सोशल मीडिया में निजी हमले शुरू हुए और उनके परिवार को निशाना बनाया जाने लगा तो ब्रिटास ने इसकी शिकायत केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भेजी थी। मिस्री और उनके परिवार की महिलाओं पर हमला करने वाले नफरती और फसादी तत्व थे, जो सीजफायर का गुस्सा उन पर निकाल रहे थे। इस शिकायत के तीन महीने बाद अब पुलिस ने ब्रिटास से कहा है कि उन्होंने जो आरोप लगाए है उसके सबूत पेश करें। सोचने वाली बात है कि सब कुछ सोशल मीडिया में है और सारी बातों का डिजिटल प्रिंट मौजूद है। फिर भी जांच करके कार्रवाई करने की बजाय तीन महीने के बाद पुलिस जॉन ब्रिटास से इसलिए सबूत मांग रही है क्योंकि उन्होंने शिकायत की है।

लैटरल एंट्री से नियुक्ति क्यों बंद हुई?

कुछ समय पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अलग-अलग फील्ड के विशेषज्ञों को लैटरल एंट्री के जरिये लाकर केंद्र सरकार मे संयुक्त सचिव बनाना शुरू किया था लेकिन अब उस प्रक्रिया को रोक दिया गया है। पिछले साल आखिरी बार इसकी वैकेंसी निकली थी लेकिन आननफानन में उसे वापस ले लिया गया। पिछले दिनों इसे लेकर सांसदों ने कुछ सवाल पूछे थे, जिनके जवाब में केंद्र सरकार ने संसद में बताया कि लैटरल एंट्री से होने वाली नियुक्तियों में आरक्षण का प्रावधान नहीं है। इसीलिए सवाल है कि क्या सोशल मीडिया में बन रहे नैरेटिव और आरक्षण विरोधी ठहराए जाने की चिंता में केंद्र सरकार ने इसे रोक दिया? केंद्र में इस योजना के शुरू होने का श्रेय प्रशांत किशोर लेते हैं। उनका दावा है कि उनकी सलाह पर ही प्रधानमंत्री मोदी ने यह योजना शुरू की थी। वे कह रहे है कि बिहार में उनकी सरकार बनी तो वे लैटरल एंट्री के जरिए बड़ी संख्या में लोगों को नियुक्त करेंगे और नौकरशाही की नकेल कसेंगे। गौरतलब है कि इस देश में ज्यादातर बड़े बदलाव नॉन आईएएस यानी लैटरल एंट्री वालों ने ही किए हैं। हरित क्रांति एमएस स्वामीनाथन ने की तो दूध की श्वेत क्रांति जॉर्ज कुरियन ने की थी। अंतरिक्ष की क्रांति विक्रम साराभाई ने तो एटॉमिक क्रांति होमी जहांगीर भाभा ने की। मिसाइल की क्रांति एपीजे अब्दुल कलाम ने तो संचार क्रांति सैम पित्रोदा ने की। जरूरत ऐसे लोगों को खोजने की है। लैटरल एंट्री के जरिये भाई भतीजों की भर्ती होगी तो कुछ नहीं हो पाएगा।

भाजपा नेताओं की ज्ञान गंगा

भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने बच्चों के एक कार्यक्रम में अपने "ज्ञान की गंगा" बहाई है। उन्होंने बच्चों से पूछा कि सबसे पहला अंतरिक्ष यात्री कौन था? ज्यादातर बच्चों ने नील आर्मस्ट्रांग का नाम लिया। लेकिन अनुराग ठाकुर ने उसे सही करने की बजाए चार कदम आगे बढ़कर कहा कि हनुमान जी पहले अंतरिक्ष यात्री थे। सवाल है कि क्या भारत की पौराणिक कथाओं को इस संदर्भ में समझाया जा सकता है? अगर भारत के धार्मिक आख्यानों को देखें तो हनुमान जी से पहले भी अनगिनत देवताओं के धरती पर आने और वापस स्वर्ग लोक जाने की कथाएं है। फिर हनुमान जी का ही जिक्र क्यों? यह अलग बात है कि अनुराग ठाकुर के अपने बच्चे दुनिया के किसी बड़े स्कूल या यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे होंगे, जहां उन्हें यही बताया जाएगा कि पहले अंतरिक्ष यात्री रूस के यूरी गैगरिन थे। पता नहीं, भाजपा के नेताओं को यह बात क्यों समझ में नहीं आती है कि वे इस तरह से अपने देवी-देवताओं के चमत्कार को सामान्य अंतरिक्ष यात्री की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दे रहे है। अनुराग ठाकुर ने जो कहा, उसका मतलब यह भी होता है कि जैसे हनुमान जी थे वैसे ही यूरी गैगरिन या राकेश शर्मा या शुभांशु शुक्ला है! इसी तरह की बात कुछ साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एक कार्यक्रम में कही थी कि दुनिया के पहले सर्जन भगवान शिव थे, जिन्होंने गणेश जी के धड़ पर हाथी का सिर लगाया था। सोचने वाली बात है कि इससे भगवान शिव की महिमा बढ़ी या उन्हें सर्जरी करने वाले सामान्य डॉक्टर की श्रेणी में ला दिया गया।

भाजपा का चुनाव लड़ने का नया मॉडल

विपक्षी पार्टियां चुनावों में गड़बड़ी के जो आरोप लगा रही है, भाजपा के नेता जाने-अनजाने उन आरोपों की पुष्टि कर रहे हैं। केरल में विपक्षी पार्टियों ने आरोप लगाया कि त्रिशूर से भाजपा सांसद सुरेश गोपी उस इलाके के रहने वाले नहीं है और वोटर बनने के लिए उस इलाके में रहने की अनिवार्य शर्त पूरी करने की अवधि से पहले ही वे वहां के वोटर बन गए थे। यह मामला अदालत तक पहुंचा है। विपक्ष ने यह भी आरोप लगाया कि त्रिशूर सीट भाजपा इसलिए जीती क्योंकि उसने बाहर से लोगों को लाकर इस क्षेत्र में बसाया और उनके वोट डलवाए। बिहार में अलग विवाद हुआ है। भाजपा के संगठन महामंत्री भीखुभाई दलसानिया बिहार में वोटर बने है और पिछले साल लोकसभा चुनाव में उन्होंने गुजरात में वोट डाला था।

सम्पादकीय...

खरबूजे को देखकर खरबूजे का रंग बदलना

इसे कहते है, खरबूजे को देखकर खरबूजे का रंग बदलना। मोदी जी की बीए की डिग्री नहीं दिखाई जाएगी, तो स्मृति ईरानी की ग्यारहवीं-बारहवीं की मार्क शीट नहीं दिखाई जाएगी। सिर्फ नहीं दिखाई जाएगी नहीं, नहीं दिखा सकते। अब तो अदालत ने भी कह दिया है कि नहीं दिखा सकते। राष्ट्रीय हित का सवाल है। किसी ऐसे-वैसे राष्ट्रीय हित का भी नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा का सवाल है। कागज नहीं दिखा सकते। राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए रिस्क मोल नहीं ले सकते। मोदी जी को देश संभाले हुए, ग्यारह साल से ज्यादा हो गए। राष्ट्र सुरक्षित है कि नहीं? क्या कहा, पहलगाम, पुलवामा, डोकलाम! हो जाती है, बड़े-बड़े देशों में ऐसी छोटी-मोटी घटनाएं भी हो जाती है; पर देश तो सुरक्षित है। जितना 2014 में था, 2025 में भी करीब-करीब उतना ही है। इसीलिए, कागज नहीं दिखा सकते। रिस्क नहीं ले सकते। क्या पता कागज दिखाने के बाद राष्ट्र असुरक्षित हो जाए। राष्ट्र न सही मोदी जी की गद्दी ही खतरे में पड़ जाए। आखिर, गद्दी के लिए खतरा तो बाहर वालों से नहीं, देश के अंदर की पब्लिक से भी आ सकता है। जो पब्लिक 'वोट चोर' के जवाब में 'गद्दी छोड़' का नारा लगा सकती है, इसकी क्या गारंटी है कि 'डिग्री चोर, गद्दी छोड़' की जिद पकड़ कर नहीं बैठ जाती। खैर, अदालत ने सारा टंटा ही खत्म कर दिया। जब कागज ही नहीं दिखाएंगे, तो डिग्री चोर के नारे कहां से आएंगे? एंटायर पॉलिटिकल साइंस की एमए की डिग्री की झलक दिखाने की गलती नहीं की होती, तो क्या अब तक एंटायर पॉलिटिकल साइंस का मजाक बन रहा होता। पढ़ा-लिखा तो किसी ने माना नहीं, एंटायर पालिटिकल साइंस की हंसी उड़ रही है, सो अलग। खैर! खरबूजे को देखकर खरबूजे के रंग बदलने पर लौटें। जब मोदी जी, स्मृति ईरानी जी ने कागज नहीं दिखाएंगे का एलान कर दिया, तो चुनाव आयोग को भी जोश आ गया। आखिरकार, संवैधानिक संस्था है। उसके कागज की भी कोई इज्जत है। यूं ही हर किसी को नहीं दिखा सकते। अब अदालत कागज छुपाने के अधिकार की हिफाजत करने के मूड में है, तो क्या आयोग के भी कागज नहीं दिखाने के अधिकार की रखवाली नहीं करेगी। सो एलान कर दियाहृ हम भी कागज नहीं दिखाएंगे। आरटीआई यानी सूचना के अधिकार के झांसे में हम नहीं आएंगे और बिहार वाले एसआईआर के कोई कागज नहीं दिखाएंगे। 2003 वाले आईआर यानी इंटेंसिव रिवीजन के कोई कागज दिखाने से तो पहले ही इंकार कर दिया था। कागज है ही नहीं तो दिखाएंगे क्या? पर अब 2025 के एसआईआर के भी कागज नहीं दिखाएंगे। पर कागज देखना चाहने वालों की ढिठाई देखिए। छह अलग-अलग आरटीआइ लगाएंगे और दस अलग-अलग तरीकों से वही कागज दिखाने की मांग करेंगे। जैसे, बताएं कि बिहार में एसआईआर का जो फैसला हुआ, उसकी फाइल कहां से चली? कब चली और कहां तक पहुंची? इस पर किसने क्या राय दी? किस से क्या मशविरा किया गया? क्या किसी ने आपत्तियां कीं? किस ने फैसला लिया? कब फैसला लिया? और भी न जाने क्या-क्या? सवाल ही सवाल। जब से अमर्त्य सेन की आर्गूमेंटेटिव इंडिया वाली किताब आयी है, तब से इंडिया वाले कुछ ज्यादा ही सवाल पूछने लगे है। वह तो मोदी जी का शुक्र मनाना चाहिए कि उन्होंने आरटीआई वगैरह सब फालतू कानूनों की मुश्कें कस दी हैं और ''नो डाटा'' को बाबुओं का पसंदीदा जवाब बना दिया है, वर्ना न जाने किस जानकारी से, किस तरह देश की सुरक्षा खतरे में पड़ जाती। एसआईआर की जानकारियां हाथ लग जातीं, तो क्या दूसरे देश हमारे देश के खिलाफ इन जानकारियों का इस्तेमाल नहीं कर लेते? जैसे यही गुप्त जानकारी कि मोदी जी के राज में फैसले कैसे लिए जाते है? मोदी जी के चुनाव आयोग के विरोधी, चुनाव आयोग के हम कागज नहीं दिखाएंगे के एलान से, तोड़-मरोड़कर गलत अर्थ निकालने की कोशिश कर रहे है। विरोधी कह रहे है कि चुनाव आयोग के पास एसआईआर के कोई कागज ही नहीं है। जिस एसआईआर ने पूरे बिहार को हिला रखा है, जिस एसआईआर ने देश को चिंतित कर रखा है, चुनाव आयोग में उसकी कोई फाइल ही नहीं है। न कोई मूल प्रस्ताव है, न उस पर कोई चर्चा है, न उस पर कानून मंत्रालय या किसी और मंत्रालय से कोई परामर्श है। और तो और चुनाव आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में जो यह दावा किया था कि किसी विशेष अध्ययन के आधार पर उसने एसआईआर के जरूरी होने का निर्णय लिया था, उस अध्ययन का भी कोई अता-पता नहीं है। एसआईआर के मामले में तो आयोग में सब हवा-हवाई ही है। पर ऐसा है नहीं। बेशक, आयोग ने कहा है कि कागज नहीं दिखाएंगे। लेकिन, कागज नहीं दिखाएंगे का मतलब यह थोड़े ही है कि कागज ही नहीं है। एसआईआर की कोई फाइल ही नहीं है! मोदी जी डिग्री नहीं दिखा रहे है, तो इसे कोई डिग्री नहीं होने का सबूत बता सकता है, क्या? डिग्री न होना और डिग्री नहीं दिखाना, दो अलग-अलग चीजें है। सच पूछिए तो डिग्री नहीं होने पर नहीं दिखाना, यह तो कोई भी कर सकता है। छप्पन इंची छाती वो है जो होने पर भी नहीं दिखाए और यह कहकर नहीं दिखाए कि नहीं दिखाते, क्या कर लोगे? दिखाना, तो होने का सबूत हो सकता है, पर नहीं दिखाना नहीं होने का सबूत हर्गिज नहीं है! और ये विरोधी फाइल-फाइल का क्या शोर मचा रहे हैं? ये तो ऐसे दिखाने की कोशिश कर रहे है जैसे फाइल के इधर-उधर होने, फाइल पर टीका-टिप्पणियों वाली बहस के बिना सरकार कुछ कर ही नहीं सकती है। इस सब की ऐसी भी क्या जरूरत है बल्कि एक तरह से देखें तो यह सब तो टाइम ही खराब करना है। जब बिना चर्चा के फैसले ले सकते है, तो इस सब की जरूरत ही क्या है? कागज काले करने का क्या फायदा? और फैसले लेने की भी क्या जरूरत है, जब ऊपर से आए फैसले ही लागू करने है। यह पहले वाली अटकाने, भटकाने, लटकाने वाली सरकार थोड़े ही है। यह मोदी सरकार है, जो सीधे फैसले लागू करती है। यह वह सरकार है जो चर्चा-वर्चा से नहीं, इलहाम से चलती है, फैसले लेती है। चर्चा-वर्चा से फैसला तो कोई बायोलॉजीकल भी कर लेगा। मोदी जी के नॉनबायोलाजीकल होने का ही क्या फायदा, अगर फाइल, नोटिंग, चर्चा वगैरह के पचड़े में ही टैम खराब करना पड़े।

एक मंच पर मोदी-पुतिन और जिनपिंग- दिखेगा शक्ति प्रदर्शन

वैश्विक स्तरपर एससीओ शिखर सम्मेलन चीन के तियानजिन में हो रहा है, बदलते वैश्विक परिवेश में इसपर पूरे विश्व की नजरें लगी हुई हैउधरभारत के पीएम ने जापान यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए और भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचायाजापान में तकनीकी, व्यापारिक, रक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़ी अभूतपूर्व उपलब्धियाँ हासिल करनेके तुरंत बाद पीएम सीधे चीन के तियानजिन पहुंचे, जहाँ 31 अगस्त 2025 से शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का वार्षिक शिखर सम्मेलन आरंभ हो रहा है। यह महज एक राजनयिक यात्रा नहीं बल्कि एशिया और विश्व राजनीति की दिशा तय करने वाला कदम माना जा रहा है। इस शिखर सम्मेलन में मोदी,शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन एक ही मंच पर मौजूद रहेंगे और यह उपस्थिति अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीति और उनके अमेरिका फर्स्ट एजेंडे के खिलाफ एक सामूहिक शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखी जा रही है। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, एससीओ शिखर सम्मेलन वैश्विक शक्ति संतुलन और ट्रंप के खिलाफ़ नया पावर शो-एक मंच पर मोदी-पुतिन और जिनपिंग- दिखेगा शक्ति प्रदर्शन। साथियों बात अगर हम जापान में मोदी की कूटनीतिक जीत की करें तो,उनकी जापान यात्रा और उसके तुरंतबाद चीन के तियानजिन में होने जा रहे शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन ने एशिया और विश्व राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। जापान में भारत की ऐतिहासिक उपलब्धियों के बाद मोदी जब चीन पहुँचे तो यह केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन की दिशा बदलने वाला कदमसाबित हुआउनकी जापान यात्रा इस लिहाज से ऐतिहासिक रही कि भारत और जापान ने बुलेट ट्रेन,रक्षा साझेदारी, सेमीकंडक्टर निर्माण, अक्षय ऊर्जा और डिजिटल सहयोग जैसे क्षेत्रों में रिकॉर्ड स्तर के समझौतों पर सहमति जताई। जापान ने भारत को न केवल वित्तीय सहयोग बल्कि तकनीकी हस्तांतरण में भी बड़ा कदम उठाया। इन समझौतों ने एशिया में भारत की स्थिति को और मजबूत किया हैजापान पहले से ही भारत का रणनीतिक साझेदार है, लेकिन इस बार हुए समझौतों ने दोनों देशों को भविष्य के सह-निर्माता के रूप मेंस्थापित कर दिया है। इस सफलता के झंडे गाड़ने के बाद मोदी का चीन पहुँचना इस बात का प्रतीक है कि भारत अब केवल द्विपक्षीय रिश्तों तक सीमित नहीं, बल्कि बहुपक्षीय वैश्विक गठबंधनों में निर्णायक भूमिका निभाना चाहता है। साथियों बात अगर हम चीन में एससीओ शिखर सम्मेलन की अहमियत की करें तो,चीन के तियानजिन में होनेवाला यह शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है जब दुनियाँ अमेरिका की व्यापारिक नीतियों से असहज है। ट्रंप ने हाल ही में भारत, चीन, रूस और अन्य कई देशों पर भारी-भरकम टैरिफ लगाने की धमकी दी है। इसके जवाब में एससीओ देशों का यह मंच एकजुटता का संदेश देने जा रहा है। मोदी, जिनपिंग और पुतिन की मौजूदगी अपने आप में यह संकेत है कि एशिया और यूरेशिया के देश अमेरिका की नीतियों को चुनौती देने के लिए तैयार है। भारत का इस मंच पर सक्रिय होना भी दर्शाता है कि वह केवल अमेरिका पर निर्भर नहीं है, बल्कि बहु-ध्रुवीय विश्व व्यवस्था की ओर कदम बढ़ा रहा है। साथियों बात अगर हम एससीओ सम्मेलन ट्रंप केखिलाफ एक पावर शो साबित होने की करें तो, शिखर सम्मेलन मे मोदी, जिनपिंग और पुतिन की एकजुटता को पश्चिमी मीडिया ने पहले से ही एंटी-ट्रंप पावर शो करार दिया है। इन तीनों नेताओं की उपस्थिति अमेरिकी राष्ट्रपति को यह कड़ा संदेश देती है कि उनकी एकतरफा नीतियाँ अब विश्व को स्वीकार्य नहीं है। यह मंच दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या, सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं और सबसे सशक्त सैन्य ताकतों का प्रतिनिधित्व करता है। जब ये शक्तियाँ एकजुट होकर ट्रंप की टैरिफ नीति के खिलाफ खड़ी होती है, तो यह संदेश साफ़ है कि वैश्विक व्यापार और राजनीति केवल वॉशिंगटन की शर्तों पर नहीं चलेगीतियानजिन सम्मेलन में जिनपिंग की अगुवाई में होने वाली विक्ट्री परेड में 26 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष शामिल हो रहे हैं। इसे महज एक परेड नहीं बल्कि दुनिया की नई शक्ति-व्यवस्था का प्रदर्शन कहा जा रहा है। रेड कारपेट पर मोदी, पुतिन और जिनपिंग की मौजूदगी यह संकेत देती है कि अमेरिका और यूरोप के पारंपरिक प्रभुत्व के दिन अब चुनौती के घेरे में है। चीन इस सम्मेलन को अपनी कूटनीतिक जीत के रूप में दिखाना चाहता है, वहीं भारत इस मंच के ज़रिए संतुलित लेकिन मजबूत भूमिका निभाने जा रहा है। साथियों बात कर हम इस सम्मेलन के रूप अमेरिका को कड़ा संदेश देने की करें तो,एससीओ शिखर सम्मेलन से निकलने वाला सबसे बड़ा संदेश अमेरिका के लिए होगा। यह संदेश साफ़ है कि हम आपके टैरिफ से डरने वाले नहीं हैं। एससीओ के सदस्य देश और उनके साझेदार यह जताना चाहते हैं कि वे मिलकर न केवल अपने क्षेत्रीय हितों की रक्षा करेंगे बल्कि वैश्विक स्तर पर भी नई राह बनाएंगे। अमेरिका के 50 पर्सेंट टैरिफ के बावजूद भारत, चीन और रूस जैसी अर्थव्यवस्थाएँ मजबूती से साथ खड़ी है।

यह संकेत है कि ट्रंप की नीतियाँ अब विश्व राजनीति को बाँटने में असफल हो रही है और इसके बजाय देश आपसी सहयोग के नए रास्ते खोज रहे है। साथियों बात अगर हम विक्ट्री परेड और नई वैश्विक तस्वीर के रूप में देखने की करेंतो,जिनपिंग की अगुवाई में होने वाली विक्ट्री परेड केवल चीन की शक्ति का प्रदर्शन नहीं बल्कि सामूहिक एकता का प्रतीक हैइसमें शामिल 26 से अधिक राष्ट्राध्यक्षों की उपस्थिति यह दर्शाती है कि दुनियाँ अमेरिका की एकतरफा नीतियों से निकलकर सामूहिक नेतृत्व की ओर बढ़ रही है। भारत का इसमें शामिल होना विशेष महत्व रखता है क्योंकि भारत ने हमेशा संतुलित कूटनीति अपनाई है।

अब वह खुलकर वैश्विक शक्ति संतुलन का हिस्सा बन रहा है। यह परेड आने वाले वर्षों में विश्व राजनीति का नया नक्शा खींचने वाली साबित हो सकती है। साथियों बात अगर हम अमेरिका में ट्रंप के खिलाफ माहौल बनने की करें तो,दिलचस्प बात यह है कि ट्रंप की टैरिफ नीति से सिर्फ बाहर की दुनिया ही परेशान नहीं है, बल्कि अमेरिका के भीतर भी उनके खिलाफ माहौल बन चुका है। अमेरिकी किसान, टेक कंपनियाँ और उपभोक्ता समूह लगातार विरोध जता रहे हैं कि टैरिफ ने उनकी लागत बढ़ा दी है और प्रतिस्पर्धा कमजोर कर दी है। ऐसे में जब बाहर की दुनिया ट्रंप के खिलाफ खड़ी हो और अमेरिका के भीतर भी उनकी नीतियों पर सवाल उठ रहे हों, तो यह माना जा रहा है कि तियानजिन सम्मेलन वैश्विक राजनीति में टर्निंग प्वाइंट साबित हो सकता है। साथियों बात अगर कर हम वैश्विक गठबंधनों की नई तस्वीर,अमेरिका को कड़ा संदेशहम डरने वाले नहीं की करें तो,एससीओ सम्मेलन से जो सबसे बड़ी आवाज़ निकलेगी, वह होगी-टैरिफ हमें रोक नहीं सकतेयह संदेश सीधे अमेरिका को है। भारत, चीन, रूस और अन्य देश यह बताना चाहते है कि वे विकल्प तैयार कर सकते है। नई मुद्रा व्यवस्था, वैकल्पिक व्यापार नेटवर्क, डिजिटलभुगतान तंत्र और क्षेत्रीय आपसी समझौते, ये सब अमेरिकी डॉलर और टैरिफ के प्रभाव कोकमजोर करेंगे। भारत की प्लान 40 नीति (40 देशों के नए बाजार खोजने की रणनीति) पहले ही संकेत दे चुकी है कि टैरिफ के बावजूद भारत पीछे हटने वाला नहीं हैइस सम्मेलन से यह साफ़ हो गया है कि आने वाले वर्षों में वैश्विक गठबंधन नई दिशा लेंगे। नाटो और यूरोपीय संघ का प्रभाव पहले ही सीमित हो रहा है। ब्रिक्स और एससीओ जैसे मंच अब विकल्प बन रहे है। भारत-जापान साझेदारी, रूस- चीन करीबी और एशिया-मध्य एशिया का एकीकरण-यह सब मिलकर वैश्विक राजनीति का नया नक्शा खींच रहे हैं। यह स्थिति अमेरिका के लिए कठिन है क्योंकि उसकी पारंपरिक रणनीति डिवाइड एंड रूल अब काम नहीं आ रही। साथियों बात अगर हम भविष्य का परिदृश्य की कल्पित कल्पना करने की करें तो,एससीओ सम्मेलन और मोदी- जिनपिंग-पुतिन की तिकड़ी केवल ट्रंप विरोध तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि यह नई आर्थिक और सामरिक व्यवस्था की नींव रख सकती है। बहुध्रुवीय विश्व की ओर बढ़ते कदम से अमेरिका का एकछत्र वर्चस्व चुनौती के घेरे में आएगा। भारत के लिए यह अवसर है कि वह अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को बनाए रखते हुए एक बड़ेशक्ति-गठबंधन का हिस्सा बने। रूस और चीन की साझेदारी के बीच भारत का संतुलनकारी रोल भविष्य में एशिया के शक्ति समीकरण को और मजबूत बना सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे किएससीओ शिखर सम्मेलन, वैश्विक शक्ति संतुलन और ट्रंप के खिलाफ़ नया पावर शो-एक मंच पर मोदी-पुतिन और जिनपिंग- दिखेगा शक्ति प्रदर्शनभारत की यह महज एक राजनयिक यात्रा नहीं बल्कि एशिया और विश्व राजनीति की दिशा तय करने वाला कदम माना जा रहा है।

भारत की अर्थ-व्यवस्था

भारत की यह अन्तर्निहित ताकत रही है कि इसकी अर्थव्यवस्था वैश्विक विपरीत परिस्थितियों में अपने बाजार के बूते पर आगे बढ़ती रही है। ऐसा हमने 2008-09 में भी देखा था जब अमेरिकी बाजारों के गिरने की वजह से वैश्विक मन्दी का दौर चला था और दुनिया के बड़े-बड़े बैंक दिवालिया होने के कगार पर खड़े हो गये थे और बड़ी-बड़ी कम्पनियां कर्मचारियों की छंटनी कर रही थीं। उस समय देश के वित्त मन्त्री भारत रत्न स्व. प्रणव मुखर्जी थे। प्रणव दा ने तब भारत के राष्ट्रीयकृत बैंकों की ताकत पर देश की बैंकिंग प्रणाली को थामे रखा था और कम्पनियों से कर्मचारियों की छंटनी को रोके रखा था। उस समय उन्होंने एक फार्मूला दिया था कि बड़े-बड़े पदों पर आसीन व्यक्तियों के वेतन थोड़े कम कर दिये जायें मगर छंटनी को रोका जाये। उनका यह फार्मूला काम कर गया था और निचले पदों पर कार्यरत कर्मचारियों की नौकरियां बच गई थीं। वर्तमान में अमेरिका द्वारा भारतीय आयातित माल पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने से आर्थिक माहौल में कसमसाहट है। इसका मुकाबला भारत अपनी ताकत के बूते पर करने का प्रयास कर रहा है। कहा जा रहा है कि अमेरिकी कार्रवाई की वजह से भारत के निर्यात कारोबार को जबर्दस्त धक्का लग सकता है जिसकी वजह से विभिन्न क्षेत्रों में एक करोड़ के लगभग नौकरियां जा सकती हैं। अतः भारतीय राजनीतिक नेतृत्व पर इन नौकरियों को बचाने का भार आकर पड़ गया है। इसका मुकाबला करने के लिए भारत की अर्थव्यवस्था को अपनी आन्तरिक ताकत के बूते पर ही कोई उपाय खोजना होगा। एक उपाय तो यह है कि भारतीय माल के निर्यात के लिए विश्व के अन्य देशों के बाजार खोजे जायें। भारत की सरकार इस दिशा में आगे भी बढ़ती हुई दिखाई पड़ रही है और इसने लगभग 40 देशों की ऐसी फेहरिस्त तैयार की है जहां भारत का माल निर्यात किया जा सकता है। मगर इस बीच भारत की अर्थव्यवस्था बेहतरी की ओर बढ़ती भी दिखाई दे रही है क्योंकि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल से लेकर जून तक की तिमाही में सकल उत्पादन वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही है। ऐसा सेवा क्षेत्र के शानदार प्रदर्शन की वजह से रहा है और कृषि क्षेत्र की स्थायी वृद्धि दर 3.7 प्रतिशत रही है। सेवा क्षेत्र की वृद्धि दर 9.3 प्रतिशत रही है जो कि पिछले दो वर्षों में सर्वाधिक है। इसके साथ ही उत्पादन क्षेत्र में भी वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रही है। विश्व की तमाम वित्तीय एजेंसियां कह रही हैं कि भारत एक तेजी से विकास करती अर्थव्यवस्था वाला देश है और चालू वित्त वर्ष में इसकी सकल विकास वृद्धि दर 6.5 से ऊपर रह सकती है।

वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही के आंकड़े बताते हैं कि हम यह वृद्धि दर प्राप्त कर सकते हैं मगर इस दौरान अमेरिका ने अवरोध भी पैदा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प भारत पर आर्थिक दंडात्मक कार्रवाई कर रहे हैं और कह रहे हैं कि भारत रूस से कच्चा पैट्रोलियम तेल खरीद रहा है जिससे रूस व यूक्रेन के बीच चल रहे युद्ध को बल मिल रहा है। ट्रम्प का यह आरोप पूरी तरह आधारहीन और वाहियात तक कहा जा सकता है क्योंकि रूस से चीन समेत यूरोपीय देश भी ऊर्जा कारोबार कर रहे हैं। जिसे देखते हुए यही निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि ट्रम्प भारत की तरक्की से कहीं न कहीं जरूर चिढ़े हुए हैं। मगर अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति में व्यक्तिगत सम्बन्धों या मान्यताओं की बहुत ज्यादा कीमत नहीं होती। अतः ट्रम्प को एक न एक दिन अपनी गलती का एहसास जरूर होगा और उन्हें वैश्विक स्तर पर कूटनीतिक समीकरणों को साधने के लिए भारत की जरूरत पड़ेगी। ऐसा चीन के सन्दर्भ में कहा जा सकता है। जहां तक भारत के चीन से सम्बन्धों का सवाल है तो आर्थिक स्तर पर इनमें बहुत मजबूती है। यह मजबूती दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के चलते रही है। इससे यही निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि चीन भारत के विशाल बाजार को छोड़ना नहीं चाहता क्योंकि वह आयात के मुकाबले चार गुना से भी अधिक निर्यात करता है। मगर भारत की आन्तरिक आर्थिक ताकत ऐसी शक्ति है जिसके बल पर हम सतत रूप से आगे बढ़ सकते हैं और दुनिया को दिखा सकते हैं कि अमेरिकी धमकियों के बावजूद भारत के विकास को नहीं रोका जा सकता है। ऐसा पूर्व की सरकारों ने करके दिखाया भी है लेकिन यदि चालू वित्त वर्ष की प्रथम तिमाही में उत्पादन क्षेत्र की विकास वृद्धि दर 7.7 प्रतिशत रहती है तो इसे हम अपने बूते पर ही बरकरार तभी रख सकते हैं जबकि भारतीय बाजारों में माल की मांग लगातार बढ़ती रहे क्योंकि अमेरिका को होने वाले निर्यात की मांग कम होगी। दूसरी तरफ हमारी कोशिश यह होगी कि अमेरिका से शुल्क विवाद समाप्त हो। इसकी संभावना यदि नगण्य भी रहती है तो भी भारत को घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि हमने हर संकट के समय नवाचार करके भारतीय उत्पादन को गिरने नहीं दिया है। मगर हमें मुद्रा विनिमय के मोर्चे पर सतर्क रहना होगा क्योंकि डॉलर के मुकाबले रुपया लगातार गिर रहा है। यह 88 रुपये प्रति डॉलर का अवरोध तोड़कर आगे निकल गया है। फिलहाल यह सब अमेरिकी कार्रवाई की वजह से हो रहा है। भारत की मुद्रा को मजबूत रखने के लिए हमें कारगर उपाय करने होंगे।

संतान और संस्कार

यह सच है कि जीवन में हर कोई सुख चाहता है। लेकिन जीवन में संस्कार अगर हो तो और भी अच्छा है। संस्कारों का घनिष्ठ संबंध संतान से माना जाता है। इसी मामले में कुछ दिन पहले मुझे एक ऐसे डिबेट में सम्मिलित होने का अवसर मिला जहां संतान की अनिवार्यता और वृद्धि को लेकर लंबी-चौड़ी चर्चा भी चली। माहौल उस समय और भी चर्चित हो गया जब कुछ लोगों ने हिंदू और सनातनी परिवारों से ज्यादा से ज्यादा बच्चे पैदा करने की बात कही। इस पर सबको प्रतिक्रिया स्वीकार्य और मीठी रही। संतान वृद्धि को लेकर कई वक्ताओं ने इसे अनिवार्यता से जोड़ दिया लेकिन मेरा मानना है कि आज के जमाने में संतान वृद्धि के साथ-साथ अच्छे लालन-पालन पर भी गौर किया जाना चाहिए। आज हम जिस दौर में जी रहे हैं वहां नई पीढ़ी भविष्य को लेकर ज्यादा ही चिंतित और ज्यादा ही सतर्क है। फिर भी भारत की अगर दुनिया में संस्कृति के मामले में पहचान है तो वह उसके संस्कार हैं। हमारी मातृभूमि इस बात की गवाह है कि माताओं ने ऐसी संतानों को पैदा किया है जिनके दम पर हम एक महान शक्ति हैं। हमारे अध्यात्म ने हमें संस्कार दिये हैं और हमारी संतानों की पीढ़ियों ने इसका पालन करते हुए देश में आदर्श स्थापित किये हैं। इस कड़ी में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत जी ने दिल्ली में अपनी व्याख्यानमाला के दौरान भारतीय विवाहित जोड़ों से 3 बच्चे पैदा करने का आह्वान भी किया है, जिसका हिन्दू जगत में सर्वत्र सम्मान किया जा रहा है। राष्ट्र हित में 3 बच्चे होने की बात को भागवत जी ने प्रमुखता से रखा है। रिश्तों के महत्व को बरकरार रखने के प्रति हमारा भी यही मानना है और भागवत जी के आह्वान का स्वागत करना तो बनता है। मेरा मानना है कि संतान और संस्कार का बहुत महत्व है। जब हम स्कूल में ही थे तब से ही घरों में रामायण, योग विशिष्ठ, विष्णु पुराण, श्रीमद्भगवत गीता और गीता के बारे में चर्चा होती थी। मानव जीवन को हमारा आध्यात्म जीवन के उस गृहस्थ आश्रम से भी जोड़ता है जहां गृहस्थी चलाये जाने का प्रावधान है लेकिन आज के समय में अगर गृहस्थ जीवन में ही पति-पत्नी एक-दूसरे के खिलाफ भड़क रहे हैं और कोर्ट तक पहुंच रहे है तो इसे क्या कहेंगे। चिंतनीय बात यह है कि आज की युवा पीढ़ी जिसने लिव इन रिलेशन की संस्कृति को जन्म दिया है अर्थात वे शादी करें या न करें किसी से भी संबंध बना के रहें उसमें किसी को दिक्कत नहीं होनी चाहिए। यह एक बहुत संवेदनशील और गर्म मामला था जिसके बारे में मैं कहूंगी कि इसे प्रचारित करके हमारे संस्कारों पर ही चोट की जा रही है। सवाल पक्ष या विपक्ष का नहीं है, संस्कारों का है। आदर्श मानव जीवन की है। संस्कारों का मतलब है संतान को ऐसी बातें बताना जो जीवन में उसके लिए उपयोगी हो और जन्म से लेकर अंत्येष्टि तक अध्यात्म के सभी सौलह संस्कारों का पालन करते हुए एक ऐसा उदाहरण स्थापित करें कि सब उसकी प्रशंसा करें लेकिन कई मामले चौंकाने वाले है जिनमें लिव इन रिलेशन मुख्य है। हमारे अध्यात्म को स्वीकार किया जाना चाहिए और आदर्श जीवन के संस्कारों का पालन किया जाना चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने वन्दना ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पॉण्डवनगर एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/2019/00882)

यूपी के इसे जिले में बाढ़ से हालातः लगातार आठ घंटे बरसे बदरा, आज बंद रहेंगे आठवीं तक के स्कूल

पीलीभीत ।

यूपी के पीलीभीत जिले में रविवार को हुई मूसलाधार बारिश ने मानसूनी सीजन में पूर्व दिनों के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। आठ घंटे की लगातार बारिश ने शहर में बाढ़ जैसे हालात बना दिए। शहर के मुख्य सभी मार्गों पर चार-चार फुट तक पानी भरा होने से बाजार बंद रहे। कई मोहल्लों में घरों तक पानी घुस आया है, इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दोपहर में बरसात थमने के बाद भी देर शाम तक शहर से पानी नहीं निकला। बारिश के कारण सोमवार को आठवीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। पिछले चार दिनों से लगातार हो रही बारिश से स्कूलों में भी जलभराव हुआ है। बारिश और जलभराव को देखते हुए जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने जिले कक्षा एक से आठ तक के स्कूलों में सोमवार को अवकाश घोषित किया है। परिषदीय और अभी बोर्ड के आठवीं तक के स्कूल बंद रहेंगे। बारिश की वजह से शनिवार को भी स्कूलों में अवकाश रहा था। रविवार सुबह तीन बजे से लगातार आठ घंटे तक मूसलाधार बारिश हुई। आठ घंटे में हुई 55 मिमी बारिश ने एक दिन में हुई बारिश के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह सीजन की सर्वाधिक बारिश है। बारिश से आधे से ज्यादा शहर में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई है। शहर के स्टेशन मार्ग पर मधुवन बाग से बीसलपुर बस स्टैंड, गैस चौराहे से बाजार, चूड़ी मार्केट से साहूकारा मोहल्ले तक सड़क पर दो से चार फुट तक जलभराव रहा। मुख्य गांधी स्टेडियम मार्ग भी आधा जलमग्न रहा। बाजार में जलभराव से व्यापारियों ने दुकानें बंद रखीं। उधर, सड़कों पर लोगों के घुटनों से ऊपर तक पानी पहुंचने से आवागमन प्रभावित रहा। दो पहिया वाहन भी जलभराव में बंद होते दिखाई दिए। शहर के मोहल्ला सुनगढ़ी, नखासा, एकता नगर कॉलोनी, फीलखाना, काला मंदिर व रिहायशी इलाके गोदावरी स्टेट कॉलोनी, वल्लभनगर कॉलोनी, अशोक कॉलोनी, सुरभि कॉलोनी आदि जलमग्न रहे। इसके अलावा जिला अस्पताल, क्षय रोग केंद्र, डीआईओएस कार्यालय आदि में भी जलभराव रहा। गौहनिया तालाब ओवरफ्लो होने से पीलीभीत बरातघर मार्ग और टनकपुर हाईवे पर भी पानी उतर आया। पूरनपुर नगर सहित क्षेत्र में शनिवार रात को झमाझम बारिश हुई। शनिवार रात से शुरू हुई बारिश रविवार सुबह आठ बजे तक होती रही। बारिश से खेत जलमग्न हो गए। विद्युत सब स्टेशन, पूरनपुर देहात के निचले मोहल्लों में जलभराव हो गया। घरों में जलभराव से लोगों को भारी असुविधा हुई। हालांकि दोपहर बाद अधिकांश स्थानों पर जलभराव समाप्त हो गया। लगातार हुई बारिश से शहर के वल्लभनगर कॉलोनी, अशोक नगर कॉलोनी, एकता नगर कॉलोनी, गोदावरी स्टेट कॉलोनी, मोहल्ला फीलखाना, लाल रोड, संजय नगर, मोहल्ला नखासा आदि इलाकों में नाले-नालियां ओवर फ्लो होने से पानी घरों में घुस गया। इससे लोग सामान को बचाने की जद्दोजहद करते रहे। देर शाम तक स्थिति खराब रही। शहर में नवनिर्मित व पुराने 28 नालों की हाल ही में तलीझाड़ सफाई का कार्य कराया गया, लेकिन रविवार को जब बरसात में शहर जलमग्न हो गया तो नालों ने भी साथ छोड़ दिया। कूड़ा करकट गंदगी के जमाव से नालों के ऊपर पानी ओवर फ्लो होने लगा। मार्गों पर नालों के गंदे पानी से लोगों को काफी समस्याएं रहीं।

मुंबई। श्री गणेश चतुर्थी के पावन पर्व पर आज सुबह सिद्धिविनायक मंदिर, मुंबई में भगवान श्री गणेश जी का सपरिवार दर्शन हम सभी के अग्रज, अभिभावक, संसदीय क्षेत्र डुमरियागंज उप्र के सांसद जगदम्बिका पाल ने किया तथा आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने क्षेत्र व संसदीय क्षेत्र के उन्नति व प्रगति के लिए प्रार्थना की।

धूम धाम से विसर्जित की गई गणेश चतुर्दशी के अवसर पर स्थापित गणेश प्रतिमा

सिद्धार्थनगर।

गणेश चतुर्दशी के अवसर पर स्थापित की गई गणेश प्रतिमा को रविवार को गाजे-बाजे के साथ विर्सजित कर दी गई। नगर पंचायत कपिलवस्तु के बर्डपुर कस्बे में स्थित निवर्तमान ग्राम प्रधान श्रीमती विनीता यादव पत्नी ओम प्रकाश यादव के कान्हा भवन व तेजू जायसवाल के आवास पर गणेश चतुर्दशी के अवसर पर स्थापित गणेश प्रतिमा को रविवार को मोहना नदी पर विसर्जित कर दिया गया।गणेश प्रतिमा विसर्जन के अवसर पर बच्चो ने खास परिधान पहनकर गणेश जी के भक्ति गीतों पर जमकर नृत्य किया।इस दौरान खूब अबीर गुलाल उड़े,लोगो में जमकर नृत्य करते हुए मोहाना घाट पर इस अरदास के साथ गणेश जी की प्रतिमा को विसर्जित किया की अगले बरस तू जल्दी आना। इस अवसर पर भाजपा जिला कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश यादव,विश्व हिंदू परिषद नगर पंचायत कपिलवस्तु के नगर अध्यक्ष अर्जुन मद्धेशिया, उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश मद्धेशिया, कमलेश जायसवाल, हर्ष यादव, अनिल कुमार उमर वैश्य, संजय गुप्ता, विपिन कुमार मोदनवाल, अर्वतिका, अर्पिता, सौम्या, मिठ्ठु, पूजा, वैभव चौरसिया, दिव्यांश, कंचन, रवि वर्मा सहित भारी संख्या में लोग शामिल रहे।

गले पर गहरे निशान- दुष्कर्म की आशंका... झांसी में महिला का घर के अंदर अर्धनग्न अवस्था में मिला शव

मऊरानीपुर । जिले के मऊरानीपुर थाना क्षेत्र के बरौरी गांव में शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। गांव की रहने वाली 42 वर्षीय ऊषा रैकवार का शव उसके घर के अंदर अर्धनग्न अवस्था में पाया गया। गले पर गहरे निशान और बिखरे कपड़े इस घटना को एक बर्बर अपराध की ओर इशारा कर रहे हैं। परिवार और ग्रामीणों के अनुसार, महिला अकेली रहती थी, क्योंकि उसका पति और दोनों बेटे काम के सिलसिले में बाहर हैं। शुक्रवार सुबह जब काम पर जाने वाले मजदूरों और पड़ोसियों ने ऊषा को आवाज दी और कोई उत्तर नहीं मिला, तो संदेह हुआ। दरवाजा बंद देख, परिजनों को सूचना दी गई। महिला का भतीजा जब दीवार फांदकर अंदर पहुंचा, तो देखा कि ऊषा मृत पड़ी थी। गला दबाकर हत्या की आशंका जताई जा रही है। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि पहले महिला के साथ दुष्कर्म किया गया।

तीन सवारी व हेलमेट न पहनने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चलाया गया अभियान

अभियान के तहत जनपद से कुल 252 वाहनों से 2,59,000 रु0 वसूला गया जुर्माना

विशेष अभियान के तहत क्षेत्राधिकारी यातायात की उपस्थिति में सड़क किनारे से हटवाया गया अतिक्रमण,लोगों को किया गया जागरुक

सन्तकबीरनगर।

पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन, क्षेत्राधिकारी यातायात अभयनाथ मिश्रा के पर्यवेक्षण में संतकबीरनगर पुलिस द्वारा यातायात सुरक्षा के दृष्टिगत रविवार को जनमानस को यातायात जागरुकता के नियमों के बारें में जागरुक करते हुए हेलमेट न पहनने वालों व तीन सवारी बैठाकर मोटरसाइकिल चलाने वालों के विरुद्ध अभियान चलाया गया ।÷हेलमेट÷ व ÷तीन सवारी÷ अभियान के दौरान संतकबीरनगर पुलिस द्वारा थाना कोतवाली खलीलाबाद से 05 वाहनों से 6,000 रुपए, थाना दुधारा से 09 वाहन से 7,500 रुपए, थाना धनघटा से 07 वाहनों से 7,500 रुपए, थाना महुली से 08 वाहनों से 12,000 रुपए, थाना मेंहदावल से 01 वाहनों से 1,000 रुपए, थाना बखिरा से 16 वाहनों से 9,000 रुपए, थाना बेलहरकला से 09 वाहनों से 9,000 रु0, यातायात पुलिस द्वारा 197 वाहनो से 2,07,000 रुपए जुर्माना वसूला गया साथ ही वाहन चलाते समय तीन सवारी न बैठने, बिना नम्बर प्लेट लगी वाहन न चलाने, नशे की हालत में गाड़ी न चलाने, वाहन को ओवर स्पीड़ से न चलाने के साथ लोगों से अपील किया गया कि वे अपने परिवार वालों एवं रिश्तेदारों तथा आसपास के लोगों को वाहन चलाते समय हेल्मेट व सीट बेल्ट के प्रयोग करने हेतु प्रेरित करें।

मायावती ने आकाश आनंद और रामजी गौतम को सौंपी बिहार चुनाव की जिम्मेदारी, बैठक में हुए ये निर्णय

लखनऊ ।

बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव की जिम्मेदारी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद, केंद्रीय कोआर्डिनेटर एवं राज्यसभा सांसद रामजी गौतम तथा स्टेट यूनिट को सौंपी है। उन्हें बिहार में अगले महीने होने शुरु होने वाली पार्टी की यात्रा, जनसभा आदि कार्यक्रमों की विशेष जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। ये सभी कार्यक्रम मायावती के दिशा-निर्देश में होंगे।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों के चयन और तैयारियों को लेकर वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ पिछले दो दिनों के दौरान की गई बैठक में गहन चर्चा व समीक्षा के बाद यह निर्देश दिए। साथ ही बिहार में बसपा द्वारा अकेले अपने बल पर चुनाव लड़ने के फैसले के मद्देनजर आने वाले दिनों में पार्टी के विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा को भी अंतिम रूप दिया। बैठक में पार्टी पदाधिकारियों को सारी कमियों को दूर करके पूरी मुस्तैदी व तन, मन, धन से आगे बढ़ने का निर्देश भी दिया। बसपा सुप्रीमो ने रविवार को जारी अपने बयान में कहा कि बिहार एक बड़ा राज्य है, इस लिए वहां की जरूरतों के दृष्टिगत राज्य की सभी विधानसभा सीटों को तीन जोन में बांटकर पार्टी के वरिष्ठ लोगों को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बिहार में पार्टी की अपनी तैयारी के साथ-साथ राज्य के तेजी से बदलते राजनीतिक हालात एवं चुनावी समीकरण आदि को देखते हुए बसपा द्वारा चुनाव में बेहतर परिणाम लाने का आश्वासन पार्टी के लोगों ने दिया है। वहीं दूसरी ओर बसपा सुप्रीमो ने इससे पहले उड़ीसा और तेलंगाना राज्य में भी पार्टी संगठन की तैयारियों और वहां भी यूपी के पैटर्न पर जिला से लेकर पोलिंग बूथ स्तर तक कमेटियों के गठन के साथ-साथ पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के मिशनरी कार्यों के बाबत दिए लक्ष्यों की भी समीक्षा की।

दिल्ली में खूनी वारदात, देर रात दो युवकों पर चाकू से हमला, एक की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली के मालवीय नगर थाना इलाके में हत्या की सनसनीखेज वारदात सामने आई है, जहां खिड़की एक्सटेंशन में शनिवार (30 अगस्त) को 2 युवकों पर चाकू से जानलेवा हमला किया गया. इस हमले में एक युवक, जिसकी पहचान 19 साल के विवेक के रूप में हुई है, की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा अमन (21 साल) गंभीर रूप से घायल हो गया. दोनों सेलेक्ट सिटी मॉल स्थित एक रेस्टोरेंट में काम करते थे. पुलिस के मुताबिक, 29 अगस्त की देर रात करीब 2:08 बजे पीसीआर को कॉल मिली कि दो लड़कों को चाकू मारा गया है और वे सड़क पर खून से लथपथ पड़े हैं. यह घटना जे ब्लॉक, खिड़की एक्सटेंशन इलाके में हुई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची. इसी दौरान 2-25 पर मदन मोहन मालवीय अस्पताल से खबर आई कि एक युवक को गंभीर हालत में लाया गया था, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. मृतक की पहचान विवेक (19 साल) के रूप में हुई, जबकि दूसरे युवक अमन का ट्रॉमा सेंटर में इलाज चल रहा है. इससे पहले कि इस मामले में पुलिस कोई कार्रवाई करती, एक और पीसीआर कॉल मालवीय नगर पुलिस को मिली, जिसमें कहा गया कि चार लड़के चाकू लिए हाथों पर खून के धब्बों के साथ JD ब्लॉक के पास लूटपाट कर रहे हैं. इस घटना के बाद जब पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाले तो पता चला कि विवेक और अमन पर हमला करने वाले 4 आरोपियों ने ही लूटपाट की वारदात को भी अंजाम दिया. इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश में जगह-जगह दबिश डाल रही है. पुलिस की जांच में सामने आया कि मृतक विवेक, जो मूल रूप से आगरा का रहने वाला था, खिड़की एक्सटेंशन में परिवार के साथ रहता था. वह स्थानीय रेस्टोरेंट 'फट फट' में काम करता था.

विवेक के पिता गार्ड का काम करते हैं. वहीं घायल अमन गुप्ता कॉलोनी का रहने वाला है. उसके पिता का निधन हो चुका है और वह 'टेबल मून' नामक रेस्टोरेंट में नौकरी करता है. उसकी मां गृहिणी हैं. इस घटना के बाद से मृतक युवक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. परिजन इस मामले में अब तक की गई पुलिस की कार्रवाई से भी असंतुष्ट नजर आ रहे हैं. उनका कहना है कि विवेक बहुत अच्छा और काम-काज वाला लड़का था. आरोपियों ने क्यों उसकी जान ले ली, उन्हें समझ नहीं आ रहा है. कोई दिक्कत थी तो वे घर आकर बात करते, या यदि गुस्सा था तो मारते-पीटते, तोड़-फोड़ कर देते, लेकिन जान क्यों ले ली. परिजनों की मानें तो हमलावर मॉल से पीछा करते हुए उनकी गली तक आए और फिर मौका देख कर उन पर हमला कर दिया.

ड्रैगन और हाथी साथ आएं- जिनपिंग

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से महत्वपूर्ण बैठक की.

दोनों नेताओं ने अक्टूबर 2024 में कज़ान में हुई पिछली मुलाकात के बाद से द्विपक्षीय संबंधों में आए सकारात्मक माहौल का स्वागत किया और स्पष्ट किया कि भारत और चीन विकास के साथी हैं, प्रतिद्वंद्वी नहीं. प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता को द्विपक्षीय संबंधों की प्रगति के लिए अनिवार्य बताया. दोनों नेताओं ने पिछले साल हुए डिसएंगेजमेंट पर संतोष जताया और सीमा विवाद का न्यायसंगत और स्वीकार्य समाधान

चीन में मोदी-जिनपिंग की 50 मिनट बातचीत

निकालने की प्रतिबद्धता दोहराई.

व्यापार, वीज़ा और कनेक्टिविटी में सहयोग

दोनों नेताओं ने लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए वीज़ा सुविधा, सीधी उड़ानों और कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली पर जोर दिया. इसके अलावा व्यापार घाटा

*पीएम बोले- सैनिकों की वापसी से सीमा पर शांति आई

कम करने और निवेश बढ़ाने पर भी सहमति बनी.

रणनीतिक स्वायत्तता और वैश्विक मुद्दों पर सहयोग

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत और चीन दोनों अपनी रणनीतिक स्वायत्तता का पालन करते हैं और उनके रिश्तों को किसी तीसरे देश के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए. दोनों नेताओं ने आतंकवाद और निष्पक्ष व्यापार जैसे वैश्विक मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की.

भविष्य की बैठकों और आमंत्रण

प्रधानमंत्री मोदी ने चीन की एससीओ अध्यक्षता का समर्थन किया और राष्ट्रपति शी को भारत में 2026 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए आमंत्रित किया. शी ने आमंत्रण स्वीकार किया और भारत की अध्यक्षता का समर्थन देने का आश्वासन दिया.

चीनी नेतृत्व से द्विपक्षीय वार्ता

प्रधानमंत्री मोदी ने चीनी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो स्थायी समिति सदस्य काई ची से भी मुलाकात की. काई ने कहा कि चीन भारत के साथ अपने रिश्तों को और मजबूत करने का इच्छुक है.

प्राकृतिक आपदाओं से देश दुखी है, पीएम मोदी ने मन की बात में राहत कार्यों को सराहना दिया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम मन की बात के 125वें एपिसोड में देश के कई हिस्सों में आई प्राकृतिक आपदाओं पर गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि बारिश और मानसून की वजह से आई बाढ़ और भूस्खलन ने हर हिंदुस्तानी को दुखी किया है और जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनका दर्द हम सबका दर्द है। पीएम मोदी ने आपदा के समय राहत और बचाव कार्यों में लगे सेना, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और अन्य सुरक्षा बलों के जवानों की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि इन जवानों ने दिन-रात एक करके लोगों को बचाने का काम किया। आधुनिक तकनीक का उपयोग- प्रधानमंत्री ने बताया कि जवानों ने राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया। इसमें थर्मल कैमरे, लाइव डिटेक्टर, स्निफर डॉग्स और ड्रोन जैसी चीजें शामिल हैं, जिनसे निगरानी और बचाव में मदद मिली। हेलीकॉप्टर से मदद- फंसे हुए लोगों को निकालने, घायलों को एयरलिफ्ट करने और राहत सामग्री पहुँचाने के लिए हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल किया गया।

मानवीयता को किया सलाम

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आपदा की इस घड़ी में न सिर्फ सरकारी एजेंसियां, बल्कि स्थानीय लोग, सामाजिक कार्यकर्ता, डॉक्टर और प्रशासन भी मदद के लिए आगे आए। उन्होंने उन सभी नागरिकों का दिल से धन्यवाद किया, जिन्होंने मुश्किल समय में मानवीयता को सबसे ऊपर रखा। पीएम ने कहा कि ऐसे संकट के समय में हमारा देश एकजुट होकर खड़ा होता है।

कश्मीर को दहलाने की साजिश रच रहे दो आतंकी गिरफ्तार

गोला-बारूद समेत भारी मात्रा में हथियार भी बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में पुलिस ने दो आतंकवादियों को हथियारों के साथ गिरफ्तार किया है। अधिकारियों के अनुसार तारिक शेख और रियाज अहमद को छापेमारी के दौरान हिरासत में लिया गया। उनकी सूचना पर दो असॉल्ट राइफलें और गोला-बारूद बरामद हुआ। पुलिस ने शेख के घर पर छापा मारकर उसे अहमद के साथ गिरफ्तार किया और जलियां गांव में उसके किराए के मकान से हथियार जब्त किए। डिजिटल डेस्क, जम्मू।

रविवार को पुलिस ने जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में हथियारों के साथ दो आतंकवादियों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बताया कि छापामारी के दौरान आजमाबाद के तारिक शेख और चेंबर गांव के रियाज अहमद को हिरासत में लिया गया। उनकी निशानदेही पर दो असॉल्ट राइफलें और कुछ गोला-बारूद बरामद किया गया। पुलिस ने आजमाबाद स्थित शेख के घर पर छापा मारा और उसे उसके साथी अहमद के साथ गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों से पूछताछ के बाद, पुलिस टीम ने जलियां गांव में शेख के किराए के मकान पर छापा मारा और हथियार जब्त कर लिए।

चीनी सामान से बढ़ा देश का आर्थिक संकट

भाजपा की आत्मनिर्भरता खोखली, अखिलेश यादव का सरकार पर हमला

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चीन दौरे को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भाजपाई बस देश का क्षेत्रफल बता दें मतलब ये बता दें कि भाजपा सरकार के आने के समय देश की कुल भूमि जितनी थी, अब भी उतनी ही है या अब चीनी कब्जे के बाद घट गयी है। यादव ने अपने सोशल अकाउंट फेसबुक पर अपना बयान पोस्ट कर ये सवाल उठाए है।

बेरोजगारी बेतहाशा बढ़ रही है

अखिलेश यादव ने लिखा है कि, ये है तथाकथित आत्मनिर्भर, स्वदेशी और चीनी सामान के बहिष्कार के भाजपाई

जुमलों का चिंताजनक सच! अपने बयान में उन्होंने कहा है कि चीन से आनेवाले सामानों पर जिस तरह भारत की निर्भरता बढ़ती जा रही है, उसका बुरा असर हमारे उद्योगों, कारखानों और दुकानों के लगातार घटते जा रहे काम-कारोबार पर पड़ा है। इससे बेरोजगारी भी बेतहाशा बढ़ रही है।

भाजपा चीनी चाल की क्रोनोलॉजी समझे

अखिलेश यादव ने अपने पोस्ट में लिखा है कि, ''भाजपा चीनी चाल की क्रोनोलॉजी समझे। पहले चीन अपना माल भारत के बाजारों में भर देगा। इससे चीन पर निर्भरता इतनी बढ़ जाएगी कि उनकी हर गलत हरकत को नजरअंदाज करने के लिए भाजपाई मजबूर हो जाएंगे। उसके बाद चीन हमारे उत्पादों और उद्योगों को धीरे-धीरे बंद करवाने के कगार तक ले जाएगा। वह आगे कहते हैं कि उसके बाद चीन मनमाने दाम पर हर चीज सप्लाई करेगा। उसके बाद महंगाई-बेरोजगारी बढ़ाएगा। जब महंगाई-बेरोजगारी ज्यादा होगी तो सरकार के खिलाफ आक्रोश भी कई गुना बढ़ जाएगा। दूसरों के सहारे पर चल रही, बिना बहुमत की भाजपा की सरकार और भी कमजोर होकर लड़खड़ा जाएगी।

हमारी भूमि पर चीन अपना कब्जा और बढ़ाएगा

सपा प्रमुख ने इसके आगे लिखा है कि खुद ही लड़खड़ाती भाजपा की सरकार चीन के अतिक्रमण को चुनौती नहीं दे पाएगी। हमारी भूमि पर चीन अपना कब्जा और बढ़ाएगा और उसके बाद भाजपा दोहराएगी कि ''न कोई, न कोई। अगर ये बात 'ड्रोनवालों को समझ नहीं आ रही है तो उप्र में विराजमान 'बुलडोज़र वाले प्रवासी जी ही ये सच्चाई समझकर जवाब दे दें कि चीन द्वारा हमारी कितनी जमीन हड़प ली गयी है, क्योंकि उनका मूल निवास स्थान भी तो चीनी कब्जे का शिकार हुआ है। भाजपाई बस देश का क्षेत्रफल बता दें मतलब ये बता दें कि भाजपा सरकार के आने के समय देश की कुल भूमि जितनी थी, अब भी उतनी ही है या अब चीनी कब्जे के बाद घट गई है।

दिल्ली में टला बड़ा हादसा, प्लेन के इंजन में लगी आग, 30000 फीट ऊंचाई पर अटकीं यात्रियों की सांसें

नई दिल्ली।

दिल्ली से इंदौर जा रही एअर इंडिया की एक फ्लाइट को रविवार को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद वापस दिल्ली एयरपोर्ट पर उतारना पड़ा। विमान के दाहिने इंजन में आग लगने का संकेत (फायर इंडिकेशन) मिलने के बाद यह फैसला लिया गया। इस घटना के बाद पायलट की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया और सभी 180 यात्री और क्रू सुरक्षित हैं। एअर इंडिया के अनुसार यह घटना फ्लाइट एआई2913 के साथ हुई। टेक-ऑफ के तुरंत बाद कॉकपिट क्रू को दाहिने इंजन से संबंधित फायर अलर्ट मिला। स्टैंडर्ड सेफ्टी प्रोटोकॉल का पालन करते हुए क्रू ने तुरंत इंजन को बंद कर दिया और विमान को सुरक्षित रूप से दिल्ली एयरपोर्ट पर वापस उतार लिया।

सीएम नायब ने कुरुक्षेत्र में साइक्लोथॉन यात्रा को दिखाई हरी झंडी, झाड़ू लगा किया श्रमदान...पौधरोपण भी किया

कुरुक्षेत्र।

हरियाणा के सीएम नायब सैनी आज कुरुक्षेत्र के दौरे पर है। इस दौरान सबसे पहले सीएम नायब सैनी ने ब्रह्मसरोवर पर स्वच्छ कुरुक्षेत्र, मेरा कुरुक्षेत्र, मेरा अभिमान अभियान के तहत सड़क पर झाड़ू लगाई। इस मौके पर सीएम के साथ पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, नगर परिषद की चेयरपर्सन और भाजपा के जिलाध्यक्ष तेजिंद्र सिंह गोल्डी ने भी श्रमदान किया। सीएम ने ब्रह्मसरोवर पर पौधरोपण करके हरियाली का संदेश भी दिया। सीएम के दौरे को लेकर प्रशासन अलर्ट है। कई दिनों से अधिकारी कार्यक्रम को लेकर तैयारियां कर रहे थे। अभियान की शुरुआत करते हुए सीएम नायब सैनी ने कहा कि इसी गीता की धरती से श्रीकृष्ण ने हजारों साल पहले पूरी मानवता को अमर संदेश दिया था। यहां दुनिया के कोने-कोने से लोग आते है और ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपनी इस धार्मिक नगरी को पूरी तरह साफ-सुथरा रखें। ताकि यहां आने वाला हर व्यक्ति गीता के साथ-साथ स्वच्छता का भी संदेश लेकर जाए। उन्होंने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि हम इस धरती पर रहने वाले हैं। सीएम राष्ट्रीय खेल दिवस पर आयोजित भव्य साइक्लोथॉन यात्रा को हरी झंडी दिखाई। साथ ही स्वच्छ कुरुक्षेत्र की आधिकारिक वेबसाइट का शुभारंभ भी किया। सीएम ने नागरिकों से स्वच्छता वेबसाइट पर स्वच्छता की फोटो अपलोड करने का आह्वान किया। सीएम नायब सैनी ने कहा कि हरियाणा पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को सबसे अधिक पुरस्कार देने वाला देश का पहला राज्य है।

सरकार ने खिलाड़ियों को 593 करोड़ रुपए के पुरस्कार दिए है। इसके अलावा 2014 से अब तक 29 हजार से अधिक खत्रों को करीब 53 करोड़ रुपए की छात्रवृत्ति भी उनकी सरकार ने प्रदान की है। सरकार ने खेल उपकरण प्रावधान योजना बनाई गई है। इसके तहत 15634 खिलाड़ियों को उपकरण भी दिए जा रहे है।

पंजाब में बाढ़ का कहर जारी! व्यास समेत नदियाँ उफान पर, 24 की मौत, लाखों एकड़ फसल तबाह

नई दिल्ली। पंजाब में रविवार को बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई, क्योंकि कई जिलों में लगातार बारिश हो रही है और घग्गर व व्यास नदियां उफान पर है।

पंजाब में बाढ़ से अब तक 24 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य के नौ जिलों में रावी, व्यास और सतलुज नदियों के उफान के कारण 1,018 गांव प्रभावित हुए है और 1.51 लाख एकड़ (61,273 हेक्टेयर) में खड़ी फसलें जलमग्न हो गई है, जिससे बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। फसलों के नुकसान और पशुओं की मौत के कारण राज्य को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। जिला मुख्यालयों से प्राप्त रिपोर्टों के अनुसार, फाजिल्का में 16,632 हेक्टेयर, फिरोजपुर में 10,806 हेक्टेयर, कपूरथला में 11,620 हेक्टेयर, पठानकोट में 7,000 हेक्टेयर, तरनतारन में 9,928 हेक्टेयर और होशियारपुर में 5,287 हेक्टेयर भूमि प्रभावित हुई है। पंजाब में कपूरथला जिला प्रशासन ने सुल्तानपुर लोधी क्षेत्र के लोगों से लगातार बारिश के बाद व्यास नदी में जलस्तर बढ़ने के मद्देनजर रविवार को अलर्ट जारी कर सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

कपूरथला के उपायुक्त अमित कुमार पांचाल ने बताया कि भारी बारिश के कारण व्यास नदी का जलस्तर 2.35 लाख क्यूसेक तक बढ़ गया है और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों से तुरंत सुरक्षित स्थानों पर जाने का आग्रह किया गया है। मौसम विभाग ने कपूरथला जिले में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। पांचाल ने कहा कि लोगों की जान बचाना प्रशासन की प्राथमिकता है इसलिए प्रभावित इलाकों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर चले जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि सेना और राज्य आपदा मोचन बल के दल लोगों को सुरक्षित स्थानों पर लगातार पहुंचा रहे हैं।

सुल्तानपुर लोधी और भुलत्थ इलाके के गांव बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के जलग्रहण क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण सतलुज, व्यास एवं रावी नदियां उफान पर हैं और पंजाब बाढ़ की चपेट में है। बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित गांव पठानकोट, गुरदासपुर, फाजिल्का, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, होशियारपुर और अमृतसर जिलों के हैं।

लखनऊ में पटाखा फैक्टरी में भीषण विस्फोट

सात लोगों की मौत, पांच घायल; मुख्यमंत्री ने लिया घटना का संज्ञान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रविवार को पटाखा फैक्टरी में अचानक विस्फोट हो गया। जोरदार धमाके से पूरा इलाका दहल उठा। आवाज सुनकर लोग घरों से निकलकर मौके की तरफ भागे। स्थानीय लोगों ने अंदर फंसे लोगों को बचाने का प्रयास शुरू किया। घटना गुडंबा थाना क्षेत्र के बेहटा इलाके की है। उधर, पुलिस और एंबुलेंस को भी सूचना दी गई। सूचना पर पुलिस, एंबुलेंस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घायल लोगों को अस्पताल भेजा। घटना में करीब सात लोगों के मरने की आशंका जताई जा रही है। करीब पांच लोग गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। राहत बचाव कार्य जारी है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने पटाखा फैक्टरी में हुए हादसे का संज्ञान लिया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही अधिकारियों को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए है। सीएम ने घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए।

चुनाव आयोग 3 लाख नाम काटने की कर रहा तैयारी, बांग्लादेश और नेपाल आए लोगों को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी विशेष गहन मतदाता सूची संशोधन को लेकर राजनीतिक घमासान मचा हुआ है। इस प्रक्रिया के तहत चुनाव आयोग ने राज्य भर में लगभग 3 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किया है, जिनके दस्तावेजों में गड़बड़ियां पाई गई है। संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर इन मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जा सकते हैं। चुनाव आयोग के अनुसार, सबसे अधिक मामले सीमावर्ती जिला किशनगंज से सामने आए है, जहां बड़ी संख्या में लोगों को विदेशी नागरिक होने के संदेह में नोटिस जारी किए गए हैं। जिला प्रशासन ने बताया

कि कुछ लोगों के पास बांग्लादेश और नेपाल के नागरिक होने के बावजूद भारतीय मतदाता पहचान पत्र होने की आशंका जताई गई है।

बेटी-रोटी संबंध बना चुनौती

स्थानीय लोगों ने बताया कि नेपाल सीमा से सटे इस क्षेत्र में भारत-नेपाल के बीच पारंपरिक 'बेटी-रोटी' संबंध वर्षों से चला आ रहा है। ऐसे में नेपाल की लड़कियों की शादी भारत में और भारत की लड़कियों की शादी नेपाल में आम बात है। लेकिन अब बीएलओ की ओर से 11 प्रकार के दस्तावेजों की मांग की जा रही है, जिन्हें जुटा पाना कई लोगों के लिए संभव नहीं है, खासकर तब जब उनके माता-पिता नेपाल निवासी थे या पिता अब जीवित नहीं है।

स्थानीय लोगों की नागरिकता की मांग

विवाद में फंसे कई लोगों ने सरकार से नागरिकता दिए जाने की मांग की है। कुछ लोगों ने बताया कि उन्होंने अपने सारे दस्तावेज ब्लॉक को जमा कर दिए थे। एक व्यक्ति ने बताया, मेरे पिता बांग्लादेश से आए थे लेकिन मेरा जन्म भारत में हुआ है। अब मेरा वोटिंग अधिकार छीना जा रहा है। हम कहां जाएं? उसने कहा कि उसने वोटर आईडी और आधार कार्ड जमा कर दिए थे, लेकिन स्थायी निवास प्रमाण नहीं दे सका क्योंकि वह मजदूरी के लिए बाहर रहता था। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव ने मिलकर वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत की है। इस यात्रा में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी शामिल हुए। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर सीधा हमला बोला। अखिलेश यादव ने कहा, यह चुनाव एसआईआर के बारे में है, इसका मतलब है कि वोट चुराना। आज ये वोटिंग का अधिकार छीन रहे है, कल जाति प्रमाण पत्र, राशन कार्ड भी छीन लेंगे। यही भाजपा की रणनीति है, मुद्दों से भटकाना और नए विवाद खड़े करना। आज महंगाई और बेरोजगारी सबसे बड़े मुद्दे है, लेकिन भाजपा के पास इसका कोई जवाब नहीं है।

अमित शाह पर सिर काटने वाले बयान पर महुआ मोइत्रा फंसीं, छत्तीसगढ़ में एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को लेकर महुआ मोइत्रा की विवादास्पद टिप्पणी ने उन्हें गंभीर कानूनी मुश्किल में डाल दिया है। छत्तीसगढ़ के रायपुर में एक स्थानीय व्यक्ति ने उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 196 और 197 के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर अवैध घुसपैठ पर अमित शाह का सिर काटने की बात कही थी। सोशल मीडिया पर इस बयान का वीडियो वायरल होने के बाद भाजपा ने इसकी तीव्र आलोचना करते हुए कार्रवाई की मांग की है, जिससे यह मुद्दा गरमा गया है। तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इसी सिलसिले में अब उनके खिलाफ छत्तीसगढ़ के

रायपुर में एक एफआईआर दर्ज की गई है। यहां एक स्थानीय निवासी ने मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। पीटीआई ने एक अधिकारी के हवाले से बताया कि धारा 196 (धर्म, जाति, जन्म स्थान, निवास, भाषा आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना) और 197 (राष्ट्रीय एकता को नुकसान पहुंचाने वाले आरोप) के तहत मामला दर्ज किया गया है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद समेत कई भाजपा नेताओं ने मोइत्रा की टिप्पणी की निंदा की है। उन्होंने तृणमूल नेता के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। महुआ मोइत्रा ने कथित तौर पर कहा था कि भारत में अवैध बांग्लादेशियों की घुसपैठ को रोकने में विफल रहने के लिए अमित शाह का सिर काट देना चाहिए। उन्होंने यह कथित बयान गुरुवार को पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बात करते हुए दिया। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद भाजपा ने मोइत्रा की कड़ी आलोचना की थी।